

17P/248/17

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words)

2017

121.

Serial No. of OMR Answer Sheet

(Signature of Invigilator)

Day and Date

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only blue/black ball-point pen in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope.*
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only OMR Answer Sheet at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]

SEAL

17P/248/17

ROUGH WORK

रफ़ कार्य

.15!

17P/248/17

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (Three) marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. ब्रह्मणः स्वरूप लक्षणं किम् ?

- | | |
|--------------------------------|---------------------|
| (1) सत्यं ज्ञानमनन्तम् | (2) सच्चत्यच्चाभवत् |
| (3) यतोवा इमानि भूतानि जायन्ते | (4) तत्तेजोऽसृजत् |

02. लक्षणसामान्यं कतिविधं भवति?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

03. आत्यन्तिकानर्थनिवृत्तिपुरःसरं परमानन्दावाप्तिः”

इति कस्य स्वरूपम् ?

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) धर्मस्य | (2) अर्थस्य |
| (3) कामस्य | (4) मोक्षस्य |

04. विवर्तवादः केनाङ्गीक्रियते ?

- | | |
|----------------|----------------|
| (1) मीमांसकेन, | (2) वेदान्तिना |
| (3) बौद्धेन | (4) नैयायिकेन |

05. परमपुरुषार्थः कः ?

- | | |
|-----------|------------|
| (1) धर्मः | (2) कामः |
| (3) अर्थः | (4) मोक्षः |

06. अन्तःकरणावच्छिन्नं चैतन्यम् ” इति कस्य लक्षणम् ?

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) ईश्वरस्य | (2) जीवस्य |
| (3) प्रपञ्चस्य | (4) मिथ्यात्वस्य |

07. घटज्ञाने घटाकारावृत्तिः कस्य परिणामः ?

- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) अन्तःकरणस्य | (2) अविद्यायाः |
| (3) विद्याया | (4) प्रकृते |

08. वेदान्तस्य अधिकारी कः ?

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (1) साधनचतुष्टय सम्पन्नः | (2) भोगसाधनसम्पन्नः |
| (3) अधीतन्यायशास्त्रः | (4) अधीतव्याकरणशास्त्रः |

09. ब्रह्मतिरिक्तं सर्वमिथ्या इति कस्य सिद्धान्तः ?
- | | |
|----------------|----------------|
| (1) न्यायस्य | (2) व्याकरणस्य |
| (3) वेदान्तस्य | (4) मीमांसायाः |
10. अविद्यापरिणामो वृत्तिः कुत्र भवति ?
- | | |
|----------------|---------------|
| (1) प्रमास्थले | (2) भ्रमस्थले |
| (3) अलीकस्थले | (4) सत्यस्थले |
11. ब्रह्मसूत्रप्रथमाध्यायः कीदृशः ?
- | | |
|-------------------|------------------------|
| (1) समन्वयाध्यायः | (2) विरोधपरिहाराध्यायः |
| (3) साधनाध्यायः | (4) फलाध्यायः |
12. मोक्षस्य परमपुरुषार्थत्वं किम् ?
- | | |
|---------------------|-----------------|
| (1) नित्यत्वम् | (2) अनित्यत्वम् |
| (3) ज्ञानसाध्यत्वम् | (4) विनाशित्वम् |
13. चैतन्यं कतिविधम् ?
- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |
14. प्रमाणचैतन्यस्य विषयावच्छिन्नचैतन्याभेदः कस्य प्रयोजकः ?
- | | |
|----------------------------|---------------------------|
| (1) ज्ञानगतप्रत्यक्षत्वस्य | (2) विषयगतप्रत्यक्षत्वस्य |
| (3) ज्ञानगतानुमेयत्वस्य | (4) विषयगतानुमेयत्वस्य |
15. प्रत्यक्षसामान्यं कतिविधम् ?
- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

16. युस्मदस्यत्रत्ययगोचरयोरित्यादिना कस्यारम्भः ?
- | | |
|----------------------|-------------------------|
| (1) गीताभाष्यस्य | (2) ब्रह्मसूत्रभाष्यस्य |
| (3) ईशावास्यभाष्यस्य | (4) केनभाष्यस्य |
17. अद्वैतवादः केनस्वीकृतः ?
- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| (1) भगवता माध्वाचार्येण | (2) भगवतो रामानुजाचार्येण |
| (3) भगवता शङ्कराचार्येण | (4) भगवतो बल्लभाचार्येण |
18. वेदान्तपरिभाषा केन विरचिता ?
- | | |
|---------------------|--------------------------|
| (1) वाचस्पतिमिश्रेण | (2) धर्मराजाध्वरीन्द्रेण |
| (3) अप्पयदीक्षितेन | (4) विद्यारण्यस्वामिना |
19. वेदान्तदर्शने कियन्ति प्रमाणानि ?
- | | |
|-------------|----------|
| (1) चत्वारि | (2) पञ्च |
| (3) षट् | (4) सप्त |
20. ब्रह्मविद्या कस्य नाम विद्यते ?
- | | |
|---------------------|---------------------|
| (1) वेदान्तदर्शनस्य | (2) न्यायदर्शनस्य |
| (3) मीमांसादर्शनस्य | (4) वैशेषिकदर्शनस्य |
21. अनिर्वाच्याऽविद्याद्धितयसचिवस्येत्यादि मङ्गलाचरणं कुत्र वर्तते ?
- | | |
|--------------------|------------------------|
| (1) भामत्याम् | (2) विवरणे |
| (3) पञ्चपादिकायाम् | (4) वेदान्तपरिभाषायाम् |
22. वादरायणेन विरचितं प्रथमं सूत्रं किम् ?
- | | |
|----------------------|--------------------------|
| (1) तन्तु समन्वयात् | (2) शास्त्रयोनित्वात् |
| (3) ईक्षतेर्नाशद्वम् | (4) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा |

23. वादरायण इति कस्य नाम वर्तते ?

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) नारदस्य | (2) व्यासस्य |
| (3) कपिलस्य | (4) गौतमस्य |

24. न स पुनरावर्तते इत्यनेन किं प्रतिपाद्यते ?

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| (1) मोक्षस्य नित्यत्वम् | (2) धर्मस्य नित्यत्वम् |
| (3) अर्थस्य नित्यत्वम् | (4) कामस्य नित्यत्वम् |

25. "एकमेवाद्वितीयम्" इत्यनेन किं प्रतिपाद्यते ?

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (1) शुद्धाद्वैतवादः | (2) द्वैताद्वैतवादः |
| (3) अद्वैतवादः | (4) विशिष्टाद्वैतवादः |

26. ब्रह्मण आनन्दरूपत्वे किं प्रमाणम् ?

- | | |
|--|---|
| (1) प्राणोऽस्य प्रज्ञात्मा इति श्रुतिः | (2) आनन्दो ब्रह्मेतिव्यजानात् इति श्रुतिः |
| (3) ईशावास्यमिदम् इति श्रुतिः | (4) सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म इति श्रुतिः |

27. तरति शोकयात्मवित् इत्यनेन किं प्रतिपाद्यते ?

- | | |
|-----------------------------|--|
| (1) ब्रह्मणः सत्यत्वम् | (2) आत्मसाक्षात्कारस्याज्ञाननिवर्तकत्वम् |
| (3) ज्ञानस्य स्वप्रकाशत्वम् | (4) आत्मज्ञानस्य नित्यत्वम् |

28. वाचस्पति मिश्रविरचिता ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यटीका का ?

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) पञ्चपादिका | (2) तत्त्वदीपिका |
| (3) भामती | (4) शाश्वती |

29. द्वैताद्वैतवादः" कस्याभिप्रेतः ?

- | | |
|--------------------|------------------------|
| (1) शङ्कराचार्यस्य | (2) निम्बार्काचार्यस्य |
| (3) बल्लभाचार्यस्य | (4) रामानुजाचार्यस्य |

30. द्वैतवादः केनाङ्गीकृतः ?

- | | |
|-------------------|---------------------|
| (1) शङ्कराचार्येण | (2) बल्लभाचार्येण |
| (3) माध्वाचार्येण | (4) रामानुजाचार्येण |

31. विशिष्टाद्वैतवादः केन स्वीकृतः ?

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (1) रामानुजाचार्येण | (2) शङ्कराचार्येण |
| (3) माध्वाचार्येण | (4) निम्बार्काचार्येण |

32. स्मृतिरूपः परत्र पूर्वदृष्टावभासः इति कस्य लक्षणम् ?

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) अनुभवस्य | (2) अध्यासस्य |
| (3) स्मरणस्य | (4) प्रपञ्चस्य |

33. "तत्त्वमसि" इति श्रुत्या किं प्रतिपाद्यते ?

- | | |
|----------------------------|-----------------------------------|
| (1) द्वैतम् ब्रह्मात्मनोः | (2) द्वैताद्वैतम् ब्रह्मात्मनोः |
| (3) अद्वैतम् ब्रह्मात्मनोः | (4) विशिष्टाद्वैतम् ब्रह्मात्मनोः |

34. प्रपञ्चमिथ्यात्वे किं प्रमाणम् ?

- | | |
|-------------------------------------|--|
| (1) नेह नानास्ति किञ्चन इति श्रुतिः | (2) सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म इति श्रुतिः |
| (3) तस्य तावदेव चिरम् इति श्रुतिः | (4) यतो वा इमानि भूतानि इति श्रुतिः |

35. प्रमाणस्य किं लक्षणम् ?

- | | |
|------------------------|------------------------|
| (1) प्रथाकरणं प्रमाणम् | (2) प्रजाकरणं प्रमाणम् |
| (3) प्रमाकरणं प्रमाणम् | (4) प्रभाकरणं प्रमाणम् |

36. प्रमालक्षणं किम् ?

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------------|
| (1) सूक्ष्मार्थविषयकज्ञानित्वम् | (2) अनधिगताबाधितार्थविषयकज्ञानित्वम् |
| (3) स्थूलार्थविषयकज्ञानित्वम् | (4) अतीतविषयकज्ञानित्वम् |

37. प्रभालक्षणे अनधिगतत्वं विशेषणं किमर्थम्

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (1) भ्रमनिवृत्त्यर्थम् | (2) इच्छाव्यावृत्त्यर्थम् |
| (3) स्मृतिव्यावृत्त्यर्थम् | (4) अज्ञातव्यावृत्त्यर्थम् |

38. पञ्चभूतानां स्थूलत्वस्य प्रयोजकं किम् ?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) पञ्चीकरणम् | (2) नवीनीकरणम् |
| (3) प्रकटीकरणम् | (4) आरक्षीकरणम् |

39. साक्षिचैतन्यं कतिविधम् भवति?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

40. अज्ञानस्य लक्षणं किम् ?

- | |
|--|
| (1) अनादित्वे सति भावत्वेसति ज्ञाननिवर्त्यत्वम् |
| (2) सादित्वे सति भावत्वे सति ज्ञाननिवर्त्यत्वम् |
| (3) अनादित्वे सत्यभावत्वे सति ज्ञाननिवर्त्यत्वम् |
| (4) सादित्वे सत्यभावत्वे सति ज्ञाननिवर्त्यत्वम् |

41. जीवसाक्षिणः लक्षणं किम् ?

- | | |
|-----------------------------|---------------------------------|
| (1) अन्तःकरणोपहितं चैतन्यम् | (2) अन्तःकरणविच्छिन्नं चैतन्यम् |
| (3) मायोपहितं चैतन्यम् | (4) मायाविच्छिन्नं चैतन्यम् |

42. ईश्वरसाक्षिणः लक्षणं किम् ?

- | | |
|----------------------------------|-----------------------------|
| (1) अन्तःकरणाविच्छिन्नं चैतन्यम् | (2) मायाविच्छिन्नं चैतन्यम् |
| (3) मायोपहितं चैतन्यम् | (4) अन्तःकरणोपहितं चैतन्यम् |

43. तत्त्वमसीत्यादिवाक्यजन्यं ज्ञानं कीदृशं भवति ?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (1) सविकल्पकम् | (2) निर्विकल्पकम् |
| (3) उभयसाधारणम् | (4) उभयविलक्षणम् |

44. तत्त्वमस्यादिवाक्यानामखण्डार्थत्वं किम् ?

- (1) संसर्गाविगाहियथार्थज्ञानजनकत्वम्
- (2) संसर्गानवगाहियथार्थज्ञानजनकत्वम्
- (3) एतदुभयविधयथार्थज्ञानजनकत्वम्
- (4) एतदुभयविलक्षणयथार्थज्ञानजनकत्वम्

45. व्याप्तिज्ञानत्वेन व्याप्तिज्ञानजन्यं ज्ञानमिति लक्षणं कस्य ?

- | | |
|------------------|-----------------------|
| (1) प्रत्यक्षस्य | (2) अनुमितिज्ञानस्य |
| (3) शाब्दबोधस्य | (4) उपमितिरूपज्ञानस्य |

46. अनुमानसामान्यं कतिविधम् ?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

47. वेदान्तपरिभाषायां व्याप्तिलक्षणं कीदृशम् ?

- (1) अशेषसाध्याश्रयाश्रितसाधनसामानाधिकरण्यम्
- (2) अशेषसाधनाश्रयाश्रितसाध्यसामानाधिकारण्यम्
- (3) अशेषयाक्षताश्रितसाध्यसामानाधिकरण्यम्
- (4) अशेषसपक्षताश्रयाश्रितसाध्यसामानाधिकरण्यम्

48. वेदान्तपरिभाषायामनुमानेन किं साध्यते ?

- | | |
|------------------------------|-------------------------------|
| (1) प्रपञ्चस्य मिथ्यात्वम् | (2) प्रपञ्चस्य सत्यत्वम् |
| (3) प्रपञ्चस्य उभयात्मकत्वम् | (4) प्रपञ्चस्यानुभयात्मकत्वम् |

49. मिथ्यात्वं किम् ?

- | |
|--|
| (1) स्वाश्रयत्वेनाभिमतयावान्नेष्टात्यन्ताभावप्रतियोगित्वम् |
| (2) स्वाश्रयत्वेनाभिमतयान्निष्ठ ध्वंसप्रतियोगित्वम् |
| (3) स्वाश्रयनिष्ठान्योन्याभावप्रतियोगित्वम् |
| (4) स्वाश्रयनिष्ठप्रागभावप्रतियोगित्वम् |

50. सत्ता कतिविधा वेदान्ते स्वीकृता ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) द्विविधा | (2) एकविधा |
| (3) त्रिविधा | (4) चतुर्विधा |

51. उपमानस्य लक्षणं किम् ?

- | | |
|------------------------|--------------------------|
| (1) सादृश्य प्रमाकरणम् | (2) साधर्म्यप्रमाकरणम् |
| (3) सालोक्ययप्रमाकरणम् | (4) प्रतिकूल्यप्रमाकरणम् |

52. वाक्यजन्यज्ञाने कारणीभूता योग्यता का?

- | | |
|----------------------------------|----------------------------------|
| (1) तात्पर्याविषयीभूतसंसर्गाबाधः | (2) तात्पर्यविषयीभूतसंसर्गाबाधः |
| (3) तात्पर्यविषयीभूतसंसर्गाबाधः | (4) तात्पर्याविषयीभूतसंसर्गाबाधः |

53. शब्दबोधे करणीभूतं तात्पर्यं किम् ?

- | | |
|----------------------------------|-------------------------------|
| (1) तत्प्रतीतीच्छयानुच्चरितत्वम् | (2) तदप्रतीतीच्छयोच्चरितत्वम् |
| (3) तत्प्रतीतिजननायोग्यत्वम् | (4) तत्प्रतीतिजननयोग्यत्वम् |

54. वेदस्य अपौरुषेयत्वं किम् ?
- (1) सजातीयोच्चारणसापेक्षोच्चारणविषयत्वम्
 - (2) सजातीयानुच्चारणसापेक्षाविषयत्वम्
 - (3) सजातीयोच्चारणान्पेक्षोच्चारणविषयत्वम्
 - (4) सजातीयोच्चारणान्पेक्षोच्चारणाविषयत्वम्
55. अर्थापत्तिः कतिविधा?
- (1) एकविधा
 - (2) द्विविधा
 - (3) त्रिविधा
 - (4) चतुर्विधा
56. निखिलजगदुपादानत्वमिति कस्य लक्षणम् ?
- (1) जीवस्य
 - (2) आकाशस्य
 - (3) कर्मणः
 - (4) ब्रह्मणः
57. उक्तलक्षणे—उपादानत्वं किम् ?
- (1) जगन्निमित्तकारणत्वम्
 - (2) जगत्समवायिकारणत्वम्
 - (3) जगदध्यासाधिष्ठानत्वम्
 - (4) जगदसमवायिकारणत्वम्
58. मायावच्छिन्नं चैतन्यमिति कस्य लक्षणम् ?
- (1) प्रपञ्चस्य
 - (2) जीवस्य
 - (3) ईश्वरस्य
 - (4) शरीरस्य
59. लिङ्गशरीरे कियन्तोऽवयवाः भवन्ति ?
- (1) सप्तदश
 - (2) दश
 - (3) द्वादश
 - (4) पञ्चदश

60. अज्ञानविषयकोऽनुभवः कीदृशो भवति ?

- | | |
|---------------------|------------------|
| (1) अहं मर्मज्ञः | (2) अहमज्ञः |
| (3) अहं शास्त्रज्ञः | (4) अहं सर्वज्ञः |

61. प्रत्यक्षप्रमाणस्य लक्षणं किम् ?

- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| (1) प्रत्यक्षज्ञानस्य करणम् | (2) प्रत्यक्षवस्तुनः करणम् |
| (3) प्रत्यक्षप्रमाणः करणम् | (4) प्रत्यक्षसंयोगस्य करणम् |

62. ब्रह्मातिरिक्तस्य सर्वस्य मिथ्यात्वं केनोद्घोष्यते ?

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (1) न्यायदर्शनेन | (2) वेदान्तदर्शनेन |
| (3) मीमांसादर्शनेन | (4) वैशेषिकदर्शनेन |

63. दर्शनशास्त्रेषु ख्यातिशब्देन किं व्यवहियते ?

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) प्रमाज्ञानम् | (2) ज्ञानमात्रम् |
| (3) भ्रमज्ञानम् | (4) अज्ञानमात्रम् |

64. प्राधान्येन ख्यातिः कतिविधा भवति ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) चतुर्विधा | (2) पञ्चविधा |
| (3) त्रिविधा | (4) द्विविधा |

65. शाङ्करभाष्यस्य मुख्यं तात्पर्यं कुत्र वर्तते ?

- | | |
|---------------------|---------------------------|
| (1) ब्रह्माद्वैते | (2) प्रपञ्चसत्त्वे |
| (3) द्वैतप्रतिपादने | (4) द्वैताद्वैतप्रतिपादने |

66. प्रलयः कतिविधः ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) एकविधः | (2) द्विविधः |
| (3) त्रिविधः | (4) चतुर्विधः |

67. तुरीयप्रलयशब्देन किं व्यवहियते ?

- | | |
|---|--------------------------------|
| (1) ब्रह्मसाक्षात्कारनिमित्तकः सर्वमोक्षः | (2) ब्रह्मणोदिवसावसानात्मकोलयः |
| (3) ब्रह्मणासह विदेहकैवल्यम् | (4) सौषुप्तिकोलयः |

68. सामान्यतः प्रयोजनं कतिविधं भवति ?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

69. मोक्षस्य ज्ञानैकसाध्यत्वे किं प्रमाणम् ?

- | | |
|--|----------------------------------|
| (1) अभयं वैजनक प्राप्तेसि' इति श्रुतिः | (2) तमेवविदित्वा इत्यादि श्रुतिः |
| (3) एतस्यैवानिन्दस्य इत्यादि श्रुतिः | (4) आनन्दोब्रह्म इति श्रुतिः |

70. श्रवणादीनि कस्य साधानानि ?

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) मोक्षस्य | (2) ज्ञानस्य |
| (3) भोगस्य | (4) बन्धस्य |

71. स्थूलशरीरं कतिविधम् भवति ?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

72. उद्भिञ्जशरीरं केषां भवति ?

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) मानवानाम् | (2) नागादीनाम् |
| (3) मशकादीनाम् | (4) वृक्षादीनाम् |

73. पञ्चकर्मेन्द्रियाणामुत्पत्तिः केन जायते ?

- | | |
|--|--|
| (1) सूक्ष्ममहाभूतानां सम्मिलित रजोशेन | (2) सूक्ष्ममहाभूतानां पृथक्पृथक् रजोशेन |
| (3) सूक्ष्ममहाभूतानां सम्मिलित सत्त्वांशेन | (4) सूक्ष्ममहाभूतानां पृथक्पृथक् सत्त्वांशेन |

74. अन्तःकरणचतुष्टयस्य—उत्पत्तिः केन जायते,—

- | |
|--|
| (1) सूक्ष्ममहाभूतानां सम्मिलित सत्त्वांशेन |
| (2) सूक्ष्ममहाभूतानां पृथक्पृथक् सत्त्वांशेन |
| (3) सूक्ष्ममहाभूतानां सम्मिलित रजोशेन |
| (4) सूक्ष्ममहाभूतानां पृथक्पृथक् रजोशेन |

75. ब्रह्मणः परिच्छेदत्रयशून्यत्वं केन प्रतिपाद्यते?

- | | |
|---|-----------------------------|
| (1) सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म" इति वाक्येन | (2) सदेव सोम्य इति वाक्येन |
| (3) यतो वा इमानि" इति वाक्येन | (4) तस्य तावदेव इति वाक्येन |

76. परिच्छेदत्रयशून्यत्वमिति कस्य अर्थः ?

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) सत्यमित्यस्य | (2) ज्ञानमित्यस्य |
| (3) अनन्तमित्यस्य | (4) ब्रह्मइत्यस्य |

77. सूक्ष्मपञ्चभूतानां सम्मिलित रजोशेन किमुत्पद्यते ?

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (1) प्राणपञ्चकम् | (2) ज्ञानेन्द्रियपञ्चकम् |
| (3) कर्मेन्द्रियपञ्चकम् | (4) अन्तःकरणचतुष्टयम् |

78. सूक्ष्मपञ्चभूतानां पृथक् पृथक् सत्त्वांशेन किमुत्पद्यते ?

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (1) प्राणपञ्चकम् | (2) ज्ञानेन्द्रियपञ्चकम् |
| (3) कर्मेन्द्रियपञ्चकम् | (4) अन्तःकरणचतुष्टयम् |

79. आकाशस्य उत्पत्तिः केन भवति?

- | | |
|------------|------------|
| (1) तेजसा | (2) वायुना |
| (3) आत्मना | (4) जलेन |

80. आकाशस्योत्पत्तौ किं प्रमाणम् ?

- (1) तस्माद् वा एतस्मादात्मनः आकाशःसंभूतः
- (2) यतोहि सर्वं प्रवर्तते
- (3) पूर्णमेवावशिष्यते
- (4) अनेजदेकम्

81. माया कीदृशी वर्तते ?

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) सत्त्वात्मिका | (2) रजोगुणात्मिका |
| (3) तमोगुणात्मिका | (4) त्रिगुणात्मिका |

82. प्रपञ्चं प्रति माया कीदृशं कारणम् ?

- | | |
|----------------------|------------------------|
| (1) परिणामिकारणम् | (2) विवर्तकारणम् |
| (3) उभयात्मकं कारणम् | (4) अनुभयात्मकं कारणम् |

83. मायायाः प्रपञ्चकारणत्वे किं प्रमाणम् ?

- | | |
|--|------------------------|
| (1) एकमेवाद्वितीयम् | (2) नेह नानास्तिकिञ्चन |
| (3) अजामेकां लोहितशुक्लकृष्णं बह्वीःप्रजाः | (4) यतो वेमानि भूतानि |

84. मायायाः त्रिगुणत्मकत्वे किं प्रमाणम् ?

- | | |
|-------------------------------|-------------------------------------|
| (1) अजमिकाम् इत्यादि श्रुतिः | (2) नेहनान स्ति इत्यादि श्रुतिः |
| (3) यतोवेमानि इत्यादि श्रुतिः | (4) एकमेवाद्वितीयम् इत्यादि श्रुतिः |

85. व्यवहारिकसत्तायाः किं लक्षणम् ?

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| (1) त्रिकालाबाध्यत्वम् | (2) ब्रह्मज्ञानेतरबाध्यत्वम् |
| (3) ब्रह्मज्ञानमात्रबाध्यत्वम् | (4) सर्वथाबाध्यत्वम् |

86. सत्तायाः पारमार्थिकत्वं किम् ?

- | | |
|--------------------------------|------------------------|
| (1) ब्रह्मज्ञानेतरबाध्यत्वम् | (2) त्रिकालाबाध्यत्वम् |
| (3) ब्रह्मज्ञानमात्रबाध्यत्वम् | (4) भाविकालबाध्यत्वम् |

87. सत्तायाः प्रातिभासिकत्वम् किम् ?

- | | |
|--------------------------------|------------------------|
| (1) ब्रह्मज्ञानेतरबाध्यत्वम् | (2) त्रिकालाबाध्यत्वम् |
| (3) ब्रह्मज्ञानमात्रबाध्यत्वम् | (4) अतीतबाधबाध्यत्वम् |

88. शुद्धाद्वैतवादः कस्याचार्यस्य सम्मतः ?

- | | |
|--------------------|------------------------|
| (1) बल्लभाचार्यस्य | (2) निम्बार्काचार्यस्य |
| (3) मध्वाचार्यस्य | (4) शङ्कराचार्यस्य |

89. घटादेर्विषयस्य प्रत्यक्षत्वं किम् भवति ?

- | | |
|------------------------|---------------------|
| (1) विषयभिन्नत्वम् | (2) विषयाभिन्नत्वम् |
| (3) प्रमात्वभिन्नत्वम् | (4) कालाभिन्नत्वम् |

90. वेदान्तपरिभाषायां कियन्तः परिच्छेदाः सन्ति ?

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) चत्वारः | (2) पञ्च |
| (3) षट् | (4) अष्टौ |

91. न "तावदयमेकान्तेनाविषयः" इति भाष्योक्तौ " अयं पदार्थः कः ?
- (1) प्रपञ्चः (2) आत्मा
(3) आकाशः (4) उपोद्घातः
92. प्रत्यक्षपरिच्छेद इत्यत्र परिच्छेदशब्दार्थः कः ?
- (1) प्रमाणम् (2) प्रमेयः
(3) निश्चयः (4) विषयः
93. कर्मब्रह्मविद्याफलयोर्वैलक्षण्यादिति वाक्यं कुत्र वर्तते ?
- (1) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्ये (2) श्रीमद्गीताभाष्ये
(3) ईशावास्यभाष्ये (4) केनोपरिषद्भाष्ये
94. कर्म कतिविधम् निर्दिष्टम् ?
- (1) एकविधम् (2) द्विविधम्
(3) त्रिविधम् (4) चतुर्विधम्
95. इदं तु पारमार्थिकं कूटस्थनित्यमित्यादिना कस्याः फलमुक्तम् ?
- (1) विहित कर्मविद्यायाः (2) निषिद्धकर्मविद्यायाः
(3) ब्रह्मविद्यायाः (4) उपासनाविद्यायाः
96. अथातो ब्रह्मजिज्ञासा" इत्यत्राथशब्दार्थः कः ?
- (1) प्रश्नः (2) अधिकारः
(3) आनन्तर्यम् (4) विकल्पः

97. पश्वादिभिश्चाविशेषादिति वाक्यं कुत्र वर्तते?

- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| (1) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्ये | (2) श्रीमद्भागवद्गीताभाष्ये |
| (3) ईशावास्यभाष्ये | (4) केनोपनिषद्भाष्ये |

98. ब्रह्मजिज्ञासा इत्यत्र कः समासः

- | | |
|------------------|-----------------|
| (1) पञ्चमीसमासः | (2) सप्तमीसमासः |
| (3) चतुर्थासमासः | (4) षष्ठीसमासः |

99. पञ्चदशीग्रन्थस्य निर्माता कः?

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (1) पद्मपादाचार्यः | (2) प्रकाशात्मयतिः |
| (3) विद्यारण्यस्वामी | (4) सुरेश्वराचार्यः |

100. तत्प्रेक्षावत्प्रतिपित्सागोचरः इति वाक्यं कुत्र वर्तते?

- | | |
|--------------------|------------------------|
| (1) पञ्चपादिकायाम् | (2) वेदान्तपरिभाषायाम् |
| (3) भामत्याम् | (4) पञ्चदश्याम् |

101. तत्प्रेक्षावत्प्रतिपित्सागोचर इत्यत्र प्रतिपित्साशब्दार्थः कः ?

- | | |
|------------|--------------|
| (1) जगमिषा | (2) जिज्ञासा |
| (3) मनीषा | (4) धीषणा |

102. यदविद्याविलासेन इत्यादिमङ्गलपद्यं कुत्र वर्तते ?

- | | |
|-----------------|------------------------|
| (1) भामत्याम् | (2) वेदान्तपरिभाषायाम् |
| (3) पञ्चदश्याम् | (4) रत्नप्रमायाम् |

103. वेदान्तप्रतिपादित श्रवणादिषु कस्याधिकारः ?

- | | |
|-------------------|------------------|
| (1) बुभुक्षुणाम् | (2) मुमुक्षुणाम् |
| (3) कर्मबद्धानाम् | (4) मुक्तानाम् |

104. सुखं कतिविधम् भवति?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

105. ब्रह्मात्मकं सुखं कीदृशं भवति ?

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) निरतिशयम् | (2) सामतिशयम् |
| (3) उभयात्मकम् | (4) अनुभयात्मकम् |

106. शमपदार्थः कः?

- | | |
|--------------------------|--------------------------|
| (1) अन्तरिन्द्रियनिग्रहः | (2) बहिरिन्द्रियनिग्रहः |
| (3) उभयेन्द्रियनिग्रहः | (4) अनुभयेन्द्रियनिग्रहः |

107. दमपदार्थः कः?

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (1) बहिरिन्द्रियनिग्रहः | (2) अन्तरिन्द्रियनिग्रहः |
| (3) दुराग्रहनिग्रहः | (4) अनुकूलनिग्रहः |

108. तितिक्षा का ?

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (1) सुखदःखद्वन्द्वसहनम् | (2) शीतोष्णद्वन्द्वसहनम् |
| (3) कट्वकटुवचनसहनम् | (4) मित्रासाहित्यसहनम् |

109. इहतु भूतं ब्रह्म जिज्ञास्यम् इति वाक्यम् कुत्र ?

- | | |
|------------------------------|-----------------------|
| (1) ब्रह्मसूत्रशाङ्कर भाष्ये | (2) गीताशाङ्कर भाष्ये |
| (3) ईशावास्य भाष्ये | (4) माण्डूक्य भाष्ये |

110. भव्यश्च धर्मोजिज्ञास्य इत्यत्र भव्यशब्दार्थः कः ?

- | | |
|--------------|-----------------|
| (1) साध्यः | (2) सिद्धः |
| (3) उभयत्मकः | (4) अनुभयात्मकः |

111. ब्रह्मसूत्रतृतीयाध्यायस्य नाम किम् ?

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) समन्वयाध्यायः | (2) अविरोधाध्यायः |
| (3) साधनाध्यायः | (4) फलाध्यायः |

112. ब्रह्मसूत्रचतुर्थाध्यायस्य किन्नाम् ?

- | | |
|-------------------|------------------------|
| (1) फलाध्यायः | (2) साधनाध्यायः |
| (3) समन्वयाध्यायः | (4) विरोधपरिहाराध्यायः |

113. शास्त्रयोनित्वादिति सूत्रलिलक्षपिषतं श्रुति वाक्यं किम् ?

- | |
|--|
| (1) अनेजदेकं मनसो जवीय इति वाक्यम् |
| (2) अस्य महतोभूतस्य निःश्वसितमेतद्यदृग्वेद इति वाक्यम् |
| (3) प्रतिबोधविदितं मतमिति वाक्यम् |
| (4) आत्मा वा इदमेकमेवाग्र इति वाक्यम् |

114. ब्रह्मजिज्ञासा इत्यत्र सन्वाच्याया इच्छायाः कर्म किम् ?

- | | |
|----------------------------|---------------------------|
| (1) परोक्षज्ञानम् | (2) अवगतिपर्यन्तं ज्ञानम् |
| (3) अनुमित्यात्मकं ज्ञानम् | (4) उपमित्यात्मकं ज्ञानम् |

115. समष्टिस्थूलशरीराभिमानिचैतन्यं केन नाम्ना व्यवह्रियेत ?

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) विश्वनाम्ना | (2) वैश्वानरनाम्ना |
| (3) प्राज्ञनाम्ना | (4) तैजसनाम्ना |

116. प्राज्ञः कः ?

- | | |
|---------------------------------------|--|
| (1) समष्टिकारणशरीराभिमानि चैतन्यम् | (2) व्यष्टिकारणशरीराभिमानि चैतन्यम् |
| (3) समष्टिसूक्ष्मशरीराभिमानि चैतन्यम् | (4) व्यष्टिसूक्ष्मशरीराभिमानि चैतन्यम् |

117. व्यष्टिस्थूलशरीराभिमानी कः ?

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) वैश्वानरः | (2) प्राज्ञः |
| (3) विश्वः | (4) हिरण्यगर्भः |

118. कारणशरीरं किम् ?

- | | |
|---------------------|--------------------|
| (1) अन्तःकरणम् | (2) अविधा |
| (3) ज्ञानेन्द्रियम् | (4) कर्मेन्द्रियम् |

119. शरीरं कतिविधम् ?

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

120. ज्ञानेन्द्रियाणि कतिविधानि भवन्ति ?

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) त्रिविधानि | (2) चतुर्विधानि |
| (3) पञ्चविधानि | (4) षड्विधानि |

17P/248/17

ROUGH WORK

रफ़ कार्य

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

SEAL